पत्रिका
(30-04-2015)

रुकनापुर में डेढ़ माह से नहीं नहाया कोई

चार किलोमीटर दूर से पैदल लाना पड़ रहा पानी, एक बाल्टी में पूरा परिवार कर रहा गुजारा

विपिन शुक्ला. शिवपुरी @ पत्रिका

patrika.com/state

पोहरी विकासखंड के रुकनापुर गांव के ग्रामीण एक-एक बूंद पानी के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। पानी की किल्लत इतनी है कि डेढ़ माह से इस गांव के तीन सैकड़ा ग्रामीण नहाने के लिए तरस गए हैं। चिलचिलाती गर्मी में महिलाएं रोज चार किलोमीटर दूर गांव से पानी भरकर लाती है। एक बाल्टी पानी से ही पूरे परिवार को गुजारा करना पड़ता है।

गांव की महिलाएं पानी से भरे इस बर्तन को सिर पर रखकर जैसे-तैसे लौटती हैं। गांव पहुंचने के बाद फिर शुरू होता है इस पानी का बंटवारा, बच्चों से लेकर पुरुषों को इस हिदायत के साथ उनके हिस्से का पानी पीने के

पानी भरकर लाती रुकनापुरा की महिलाएं।

लिए दे दिया जाता है कि अगले दिन तक प्यास बुझाने के लिए इसी से काम चलाना होगा। ऐसे में नहाने की बात दूर की है।

आदिवासी बढ़ा-चढ़ाकर समस्या बताते हैं फिर भी मैं दिखवाकर वहां पानी की व्यवस्था कराऊंगा।

जेएस बघेल, एसडीएम पोहरी